All India Bar Examination-VI [2014]

SR. No.	Subjects	Questions No.	Total No. of Q.	Marks	Weightage (%)
1	Constitution of India	91,92,93,94,95,96,97,98,99,1	10	10	10%
2	Indian Penal code, 1860	0 63,64,65,66,67,68	6	6	6%
3	Civil Procedure Code, 1908	43,47,48,49,50,51,52,53,54,5	10	10	10%
4	Criminal Procedure Code,1973	5	10	10	10%
5	Indian Evidence Act, 1872	1,2,3,4,5,6,7,8,9,10	8	8	8%
6	Arbitration & Conciliation Act	11,12,13,14,15,16,17,18	3	3	3%
7	Administration Law	44,45,46	3	3	3%
8	Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules	82,83,84 39,40,41,42	4	4	4%
9	Family Law	72,73,74,75	4	4	4%
10	Company Law	59,60,61,62	4	4	4%
11	Labour & Industrial Law	76,77,78,79,80,81	6	6	6%
12	Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law	85,86,87,88,89,90	6	6	6%
13	Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act, Limitation Act, 1963	19,20,22,23,24,25,26,27,28,29 , 30,31,32,33,34,35,36,37,38 56,57,58	19	19	19%
14	Sales of Good	21	3	3	3%
15	Jurisprudence	69,70,71	1	1	1%
16			3	3	3%
Total			100	100	**100%**

Constitution of India

91. New states are created under / नए राज्यों का ननर्ाणा होता है".

(1) Art. 3 of the Indian

(2) Art. 4 of the Indian Constitution

(3) Art.5 of the Indian Constitution

(4) Art. 370 of the Indian Constitution

Ans. [1]

92. Doctrine of pleasure with reference to civil servants is mentioned under / सिनिल िेकों के िंदर्् र्ें प्रिाद प्रयत्न का सिद्ांत का उल्लेख है

(1) Art. 311 of the Indian Constitution

(2) Art. 308 of the Indian Constitution

(3) Art. 301 of the Indian Constitution

(4) Art. 310 of the Indian Constitution

Ans. [4]

93. Right to know flows from one of these Articles of the Constitution / जानने का अधिकार िंनिान के इन अनुच्छेदों र्ें िे नकिर् ें िधल्ल्लत है

(1) Art. 15 / अनुच्छेद 15

(2) Art. 19 / अनुच्छेद 19

(3) Art. 20 / अनुच्छेद 20

(4) Art.23 / अनुच्छेद 23

Ans. [2]

94. Freedom of trade, commerce and intercourse throughout the territory of India - is mentioned under / व्यापार, िाणिज्य और िंर्गर् की र्ारतीय क्ेत्र र् ें स्िंत्रता का उल्लेख है

(1) Art. 19(1)(g) / अनुचुच्छेद 19 (1) (g)

(2) Art. 300-A / अनुच्छेद 300क

(3) Art. 301 / अनुच्छेद 301

(4) Art. 299 / अनुच्छेद 299

Ans. [3]

95. Passive euthanasia under certain circumstance is permissible - held in the case of / नकन पररल्स्िनतयों के अंतगता ननष्क्रिय दया र्ृत्यु अनुर्त योग्य है । यह नकि प्रकरण र् ें अणिर्ाररत नकया गया -

(1) Aruna Ramachandra Shanbaug Vs. Union of India / अरुणा रामचन्द्र शानबाग बनाम भारत संघ

(2) Gian Kaur Vs State of Punjab / ज्ञानकौर बनाम पंजाब राज्य

(3) State of Maharashtra Vs. Maruty Sripaty Dubal / महाराष्ट्र राज्य बनाम मारूतत श्रीपतत दुबाल

(4) P. Rathinam Vs Union of India / आर. रततनाम बनाम भारत संघ के

Ans. [1]

96. It was held by the Supreme Court that the balance between Fundamental Rights and Directive Principles of State Policy is the bedrock and the basic structure of the constitution in which case? / र्ौसलक अधिकारों एिं राज्य नीनत ननदेशक तत्ों के र्ध्य िें तुलन िंनिान िा आिारर्ूत शैल एिं िाधारर्ूत ढांचा है, यह िर्ोच्च न्यायालय की ओर िे नकि प्रकरण र् ें अणिर्ाररत नकया गया -

(1) Keshavanada Bharathi v State of Kerala / केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य

(2) Minerva Mills Vs. UOI / ममनवा ममल्स बनाम भारत संघ

(3) Indira Nehru Gandhi v Rajnarain / इंददरा नेहरू गांधी बनाम राजनारायण

(4) Kihota Hollohon v. Zachilhu / तकहोता होलोहोन बनाम जेससलू

Ans. [2]

97. K. C. Gajapati Narayan Deo v. State of Orissa, is often quoted with reference to / के. िी. गजपनत नारायण दि बनार् उडीिा राज्य को अक्र िइ िंदर् िे प्रदत्त नकया जाता है"

(1) Doctrine of Eclipse / श्री आच्छादन का ससद्ांत

(2) Doctrine of severability / पृथकता का ससद्ांत

(3) Doctrine of colorable legislation / आभासी तवधान का ससद्ांत

(4) Doctrine of territorial nexus / क्षेत्रीय अंतसंबंध का ससद्ांत

Ans. [3]

98. Raja Ram Pal v. Hon'ble Speaker, Lok Sabha deals with / राजारार् बनार् र्ाननीय लोकिर्ा अध्यक्ष िइि व्यिहृत है

(1) Presidents' election / राष्ट्रपतत चुनाव

(2) Privileges of the legislature / तवधानमंडल का तवशेषामधकार

(3) Pardoning power / क्षमा करने की शसि

(4) Office of profit / लाभ का पद

Ans. [2]

99. Under Art. 1 of the Constitution, India that is Bharat shall be / र्ारतीय िंनिान के अनुच्छेद के अंतगता र्ारत होगा"

(1) Federation of states / राज्यों का महासंघ

(2) Union of states / राज्यों का संघ

(3) Democratic republic / लोकतांतत्रक गणराज्य

(4) Quasi federal / अद् संघीय

Ans. [2]

100. A Minister ceases to hold office if he does not become a member of the Legislature within six months is mentioned under / र्ंत्री का पद िर्ाप्त हो जाता है, यदद िह निानर्ंडल का िदस्य छह र्ाह के अंदर नहीं बन जाता- यह उल्लेख है

(1) Art. 164 (4)

(2) Art. 164(1)

(3) Art. 164(2)

(4) Art. 164 (3)

Ans. [1]

Indian Penal code, 1860

63. Putting or attempting to put a person in fear of death or grievous hurt in order to commit extortion is dealt under / व्यसि को रृत्यु अिा गंरीर चोट के र्य र् ें डालना अिा डालने का प्रयास करना जबरदस्ती करने के ि र् ें इके इके िम्बन्ि र्ें है

(1) Section 385 IPC / भारतीय दंड संतहता की धारा 385
(2) Section 386 IPC / भारतीय दंड संतहता की धारा 386
(3) Section 387 IPC / भारतीय दंड संतहता की धारा 387
(4) Section 388 IPC / भारतीय दंड संतहता की धारा 388

Ans. [3]

64. F invited C to have a fix of his heroin. Each filled his own syringe and injected each other several times one night. Next morning F died on the question of causation: / च ने ग को अपनी हेरोइन ल्स्रि करने को आरं्नत्रत नकया। प्रत्येक ने अपनी स्रिं की ि ुई दाखल की और अनेक बार एक रात एक दूिरे को इंजेक्शन लगाया। अगली ि ुबह च इि कारण र् गया"

(1) C must be convicted of manslaughter / ग व्यसि की हत्या का दोष ससद् होना चातहए
(2) must not be convicted of manslaughter / हत्या का दोष ससद् नहीं होना चातहए
(3) C can be convicted for the possession of heroin only / ग केवल हेरोइन रखने का दोष ससद् हो सकता है
(4) C is neither guilty of possessing heroin nor the death of F / न तो च की हत्या का दोषी है . न तो हेराइन रखने का

Ans. [1]

65. Literally, mens rea means / शब्दश: आपराधिक र्न: ल्स्नित का अिि ाहै

(1) Guilty mind / दोषी मस्ततष्क
(2) Guilty or a wrongful purpose / दोषी अथवा सदोष प्रयोजन
(3) Criminal intent, a guilty knowledge and wilfulness / आपरामधक आशय, दोषी ज्ञान और इच्छापूवका
(4) All of the above / उपरिो सभी

Ans. [4]

66. In which of the following cases mens rea is not an essential ingredient for offences under: / ननम्नसलखत प्रकरणों र् ें ि कौन ि ा आपराधिक र्न ल्स्नित अपरािों के सलए अत्यावश्यक तत्व नहीं है

(1) Revenue Acts / राजस्व अमधतनयम
(2) Public Nuisance / पब्ललक न्यूसेंस
(3) Criminal case which are in summary mode / आपरामधक मामला संक्षक्षप्त प्रकार
(4) All of these / ये सभी

Ans. [4]

67. Actus non facit reum, nisi mens sit rea means? / "किल काय ानकिी को अपरािी नहीं बनाता यदद उिका र्न र्ी अपरािी न हो", का अिि है

(1) A deed, a material result of human conduct / संलेख, सामग्री मानवीय आचरण का पररणाम •
(2) The intent and act must both concur to constitute the crime. / आशय तथा कृत्य दोनों अपराध तथातपत करने का होना जरूरी
(3) Putting to death / मृत्यु म ें डालना
(4) Un commended manner / असमादेश तरीका

Ans. [2]

68. Cheating and thereby dishonesty inducing delivery of property, or the making alteration. or destruction of a valuable security is dealt under / छल और उिके द्वारा बेईर्ानी र् ें ि म्र्सलत ि ंपनत को देना अिा रूल्यिान प्रनतरूनत का पररितना करना अिा नष्टकरण िम्बन्नित है

(1) Section 417 IPC
(2) Section 418 IPC
(3) Section 419 IPC
(4) Section 420 IPC

Ans. [4]

Code of Civil Procedure

43. In which year by an amendment of the Code of Civil Procedure Sec.89 has been included in the code, which gives importance to mediation, conciliation and arbitration. / नकि िर् ार्ें दीवानी प्रनिया िंनहता र् ें िंशोिन ि े ि ारा 89 को ि ंनहता र् ें ि म्र्सलत नकया गया जो र्ध्यस्िता, ि ुलह और र्ाध्यस्र् को र्हत्व देती है

(1) 2002
(2) 2004
(3) 2013
(4) 2012

Ans. [1]

47. Claim made by the defendant in a suit against the plaintiff / िादी के खलाफ िाद र् ें प्रनतिादी की ओर ि े नकया गया दािा है"

(1) Cross claim
(2) Cross suit
(3) Counter claim
(4) Cross decree

Ans. [3]

48. Interpleader suit is dealt with in which of the following sections of C.P.C.? / अंतराणर्ीि ी िाद सिनिल प्रनिया िंनहता की ननम्नसलखत ि ारा िम्बंधित है?

(1) Section 87
(2) Section 88
(3) Section 89
(4) Section 90

Ans. [2]

49. As required by S.80 C.P.C, the suit can be instituted after the expiry of----- of notice / सिनिल प्रनिया िंनहता िारा 80 के अंतगता ि ूचना .... की िर्ाप्त जे बाद िाद िंल्स्ित नकया जाना चानहए-

(1) 1 month / 1 माह 2
(2) months / 2 माह
(3) 60 days / 60 ददन
(4) 30 days / 30 ददन
Ans. [2]

50. Under S.2 (2) of C.PC. Rejection of a plaint is / सिनिल प्रनिया िंनहता की िारा 2 (2) के अिीन िाद पत्र की नारंजूरी है
(1) Decree
(2) Deemed decree
(3) Cross decree
(4) Cross appeal
Ans. [2]

51. Ratilal v. State of Bombay is a popular case on the point of / रतीलाल बनार् बुंबई राज्य इि नबनु पर लोकनप्रय प्रकरण है"
(1) Res judicata / पूव ान्याय
(2) Res sub-judice / तवचाराधीन तवषय
(3) Restitution / प्रत्यातथापन
(4) Doctrine of Cy-pres / तत्सदृश्य का ससद्ांत
Ans. [4]

52. Pick out the case u/S. 58 (1-A), in which arrest or detention in civil prison is not maintainable. / िारा 58 (1 - क) के अिीन पररल्स्नित बताइए, जजिर् ें सिनिल कैदी कैद र्
तगरफ्तारी या ननरुद्धता अनुरक्षणीय नहीं है
(1) A judgment debtor, where decretal amount does not exceed Rs. 5,000/- / तनणीत ऋणी, जहां तनर्णति रासश रूपए 5,000/- से अमधक नहीं है
(2) A judgment debtor where decretal amount is does not exceed Rs.2,500- / तनणीत ऋणी, जहां तनर्नतिा रासश 2500 /- से अमधक नहीं है
(3) A judgment debtor where decretal amount is does not exceed Rs.2000/- / तनणीत ऋणी, जहां तनर्णति रासश रूपए 2000/- से अमधक नहीं है
(4) A judgment debtor where decretal amount is does not exceed Rs.1,000/- / तनणीत ऋणी, जहां तनर्णति रासश रूपए 1000/- से अमधक नहीं है
Ans. [3]

53. A precept seeks to .... of the judgement debtor. / आज्ञा पत्र ननर्णति ऋणी की ....
(1) Attach the property / संपसि कुकी का तनणीत ऋणी का
(2) Prevent alienation of property of the / संपसि हततांतररत करने से रोकना
(3) Prevent attachment and alienation/ कुकी तथा हततांतरण से रोकना
(4) None of the above. / उपरोि म ें से कोई नहीं
Ans. [2]

54. R.90 of Order 21 deals with / आदेश 21 का ननयर् 90 ननम्न िे िम्बंधित है-
(1) Pre-sale illegalities committed in the execution / तनष्पादन से की गई पूव ातवक्रय अवैधताएं
(2) Post-sale irregularities causing substantial injury to judgment debtor / पश्चात तवक्रय से अतनयममतताएं जजससे तनणीत ऋणी को क्षतत पहंची है
(3) Both a and b / (1) एवं (2) दोनों
(4) None of the above. / उपरोि म ें से कोई नहीं
Ans. [2]

55. The place of suing in a suit for partition will be / बंटिारे के िाद र्ें िाद लाने का स्थान होगा"
(1) Court within whose jurisdiction the person is residing/ न्यायालय जजसके अमधकाररता क्षेत्र म ें व्यसि तनवास करता है
(2) Court within whose jurisdiction the elder person of the family resides / न्यायालय जजसके अमधकाररता क्षेत्र म ें पररवार का बडा व्यसि तनवास करता है
(3) Court within whose jurisdiction the entire property of the family is situated. / न्यायालय जजसके अमधकाररता क्षेत्र में पररवार की समूची संपसि अवस्थित है
(4) Court within whose jurisdiction the immovable property is situated / न्यायालय जजसके अमधकाररता क्षेत्र में अचल संपसि अवस्थित है
Ans. [4]

Criminal Procedure Code,1973

1. The Criminal Procedure Code ensures that / दांडिक प्रनिया िंनहता िुननिित करती है नक
(1) Principle of separation of powers of each of the State is not breached / राज्य के प्रत्येक अंग की शसियों के पृथक्करण के ससद्ांत का उल्लंघन नहीं तकया गया है
(2) Principle of combined of powers of each limb of the State is not breached. / राज्य के प्रत्येक अंग की शसियों के संयोजन के ससद्ांत का उल्लंघन नहीं होता है ।
(3) (1) and (2) / (1) एवं (2)
(4) Principle of separation of powers of each limb of the State is breached. / राज्य के प्रत्येक अंग की शसियों का पृथकीकरण भंग हो ।
Ans. [1]

2. Section 6 of the Cr.P.C. defines? / दांडिक प्रनिया िंनहता की िारा 6 पररभानषत करती है?
(1) Classes of Criminal Courts / दांमडक न्यायालयों की श्रेक्षणयां।
(2) Classes of District Courts / जजला न्यायालयों की श्रेक्षणयां।
(3) Classes of Municipal Courts / नगरपासलका न्यायालयों की श्रेक्षणयां ।
(4) Classes of Civil Courts / दीवानी न्यायालयों की श्रेक्षणयां।
Ans. [1]

3. When an offence is bailable: / कब अपराि जर्ानत योग्य है:
(1) A person has no right to be released on bail upon arrest. / तकसी व्यसि को तगरफ्तारी पर जमानत पर ररहा होने का अमधकार नहीं हो ।

(2) A person has a right to be released on bail upon arrest. / व्यसि को तगरफ्तारी पर जमानत पर ररहाई का अमधकार हो।
(3) A right to be released is dependent on the exercise of judicial discretion. / ररहाई का अमधकार न्यातयक तव तववेक के उपयोग पर तनभरा है।
(4) A person shall be released within 24 hours. / व्यसि 24 घंटे के अन्दर ररहा होगा।

Ans. [2]

4. As per section 273 of Cr.P.C., how evidence is to be taken? / दांधडक प्रनिया िंनहता की िारा 273 के अनिुार, िाक्ष्य कैि सलया जाए?
(1) In the presence of accused. / अक्षभयिु की उपब्स्थतत में
(2) When personal attendance of the accused is dispensed with, in the presence of his pleader. / जब अक्षभयिु की व्यसिगत उपब्स्थतत की छूट दी गई है, उसके अक्षभवचनकता ाकी उपब्स्थतत में ।
(3) In presence of police / पुसलस की उपब्स्थतत म ें।
(4) Both (1) and (2) / (1) एवं (2) दोनों ।

Ans. [4]

5. If a woman sentenced to death is found to be pregnant, the High Court shall Order the execution of the sentence / यदद मृत्यु दंडादेश िाली मंहला गर्भिती पाई जाती है , उच्च न्यायालय दंड के ननरपादन का आदेश करेगा'
(1) To be postponed. / तथतगत की जाए ।
(2) If it thinks fit commute the sentence imprisonment for life. / यदद ठीक माने तो सजा आजीवन कारावास म ेंकी जाए।
(3) Sent for medical assistance / मचतकत्सा सहायता के सलए भेजा जाए।
(4) Non- Judicial mandate of powers. / शसियों का अन्यातयक आदेश ।

Ans. [2]

6. Under which section of the Cr.P.C, the procedure when investigation cannot be completed within twenty-four hours has been described? / दंड प्रनिया निहता की नकि िारा के अिीन, जब अन्र्वेषण चौबीस घंटे के अन्दर पूरा नहीं हो िकता, प्रनिया का िणना है?"
(1) Sec.165 / धारा 165
(2) Sec.167 / धारा 167
(3) Sec.166 / धारा 166
(4) Sec.164 / धारा 164

Ans. [2]

7. What is provided by the Code of Criminal Procedure 1973? / दंड प्रनिया िंनहता 1973 िे क्या प्रिािनत है?
(1) The Code provides the procedure for the implementation of the criminal justice system / संतहता दांमडक न्याय प्रणाली के तक्रयान्द्वयन के सलए प्रतक्रया का प्रावधान करती है।
(2) It provides the mechanism for the investigation in to trial of offences / यह अपराधों के तवचारण म ेंअन्वेषण के सलए तक्रयातवमध का प्रावधान करती ह।ै
(3) The code provides the procedure for implementation of the civil justice system. /संतहता दीवानी न्याय प्रणाली के तक्रयान्द्वयन के सलए प्रतक्रया का प्रावधान करती है।
(4) (1) and (2) / (1) एवं (2) दोनों।

Ans. [4]

8. As per section 2(c) a cognizable offence is / धारा 2 (ग) के अनिुार िंज्ञेय अपराध है?"
(1) Where a police officer may arrest without warrant. / जहां पुसलस अमधकारी वारंट के तबना तगरफ्तार कर ें
(2) Where a police officer may not arrest without warrant / जहां पुसलस अमधकारी वारंट के तबना तगरफ्तार नहीं कर सकती.
(3) Where a police officer may arrest with permission of a court / जहां पुसलस अमधकारी न्यायालय की अनुमतत से तगरफ्तार कर ें
(4) Any person in the public can arrest / सावजातनक रूप से कोई व्यसि तगरफ्तार हो सकता है

Ans. [1]

9. Section 100 of the Cr.P.C. refers to / दंड प्रनिया िंनहता की िारा 100 िंदर्भ करती है?
(1) Seizure / जलती
(2) Search / तलाशी
(3) Summons / समन
(4) Search-warrants / तलाशी - वारंट

Ans. [2]

10. Is there any maximum period for which an under-trial can be detained under Section 436. A of the Cr.P.C., / क्या कोई अधिकतम अिधि है जजिके सलए निचाराधीन दंड प्रनिया िंनहता की िारा 436- क के अिीन ननरुद् नकया जा िकता है?
(1) Yes, half of the Maximum period imprisonment specified for that offence / हां, उस अपराध के सलए तवतनर्दष्ट कारावास की अमधकतम अवमध का आधा
(2) No period is prescribed / कोई अवमध तवतहत नहीं है
(3) Court can decide / न्यायालय तनक्षश्चत कर सकता है
(4) Maximum 90 days / अमधकतम 90 ददवस

Ans. [1]

Indian Evidence Act, 1872

11. Presumption of law is / निधि की उपधारणा है।
(1) Discretionary and rebuttable / तववेकाधीन एवं खंडनीय
(2) Mandatory and rebuttable / अतनवाय ाएवं खंडनीय
(3) Mandatory and irrebuttable / अतनवाय ाएवं अखंडनीय
(4) All of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [3]

12. In Selvi's case, the Supreme Court of India examined the constitutionality of tests like Narco Analysis, Polygraph and Brain Mapping on the touchstones of / सेल्वी के प्रकरण र् ेंरारत के िोच्च न्यायालय ने परीक्षणों की िैिाननकता परीक्षा की जैसे नाको निश्लेर्ण, पोलीग्राफ एिं ब्रेन रेपपिग का इिकी किौटी पर

(1) Art. 20(3) and Art. 21
(2) Art. 21 and Art. 23(2) Art
(3) 23 and Art. 21
(4) Art. 20(2) and Art. 20(1)

Ans. [1]

13. According to the Law Commission of India 69th Report, S.27 of the Indian Evidence Act is based on the / रारतीय निधि आयोग के 69 ें प्रनतिेदन के अनुिार, रारतीय िाक्ष्य अधिननयर् आिाररत है

(1) Doctrine of introspection / आत्मतनरीक्षण का ससद्ांत
(2) Doctrine of testimonial incrimination/ प्रमाण लेख दोषारोपण का ससद्ांत
(3) Doctrine of confirmation / पुतष्ट का ससद्ांत
(4) None of the above / उपरोक्त म ें से कोई नहीं

Ans. [3]

14. S.99 of the Indian Evidence Act says persons who are not parties to a document or their representatives in interest may give evidence of any facts tending to show a contemporaneous agreement varying the terms of the document. This is based on the principle / रारतीय िा क्ष्य अधिननयर् की िारा 99 कहती है नक व्यक्ति जो दस्तािेज के पक्षकार िहीं उनके प्रनतननधि नहीं है, एिं निकिी री तथ्य का िाक्ष्य दे िकेंगे, जो दस्तािेज के ननबंधनों का पररितान करने िाले निकिी िर्कालीन करार को दर्श ितकरने की प्रिृनत रखते हो। यह इिसिद्ांत पर आिाररत है

(1) Pacta tertii nec nocent nec prosunt
(2) Pacta sunt servanda
(3) Action personalis moriturcum persona
(4) None of the above

Ans. [1]

15. Burden of proving that person is alive who has not been heard of for seven years is on whom / यह प्रर्ाणणत करने का रार नक िह व्यक्ति जीनित है जो िात िर् के सलए िुनाई नहीं पड़ा है, निकिपर होगा

(1) One who denies it / वह जो इंकार करता है
(2) One who affirms it / वह जो इसकी पुतष्ट करता है
(3) Any third person/stranger / कोई तीसरा व्यक्ति / अजनबी
(4) None of the above / उपरोक्त म ेंकोई नहीं

Ans. [2]

16. The Court's discretion to permit leading questions is confined only to matters which are / सूचक प्रश्नों की अनुर्नत देने का न्यायालय का निनेकाधिकार केिल उन र्ार्लों तक ही िीमित है

(1) Introductory facts. / पररचयात्मक तथ्य
(2) Undisputed facts /अतववाददत तथ्य
(3) Facts already sufficiently proved to the satisfaction of the court / न्यायालय की संतुतष्ट के सलए पयााप्त रूप से पहले ही प्रमाक्षणत तथ्य
(4) All the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

17. The question is whether A murdered B. Marks on the ground, produced by a struggle at or near the place where the murder as committed, are relevant facts under / प्रश्न यह है नक क्या ए ने बी की हत्या की है। जिि स्थान पर हत्या की गई थी, उि स्थान पर या उिके ननकट िंघर् िे उिके कारण जर्ीन पर बने ननशान िुिंगत तथ्य ह।ैं

(1) S.7 / धारा 7
(2) S.6 / धारा 6
(3) S.8 / धारा 8
(4) S.11 / धारा 11

Ans. [1]

18. S.93 of the Indian Evidence Act treats the patent ambiguity as / रारतीय िाक्ष्य अधिननयर् की िारा 93 स्पष्ट दिदग्िता िे इि तरह िंबंधित है-

(1) Curable / साध्य
(2) Incurable / असाध्य
(3) Proper / उमचत
(4) None of the above / उपरोक्त म ें से कोई नहीं

Ans. [2]

Arbitration & Conciliation Act

44. Under THE ARBITRATION AND CONCILIATION ACT an arbitration agreement may be in the form of / र्ाध्यस्थर् एिं िुलह अधिननयर् के अिीन र्ध्यस्थ करार इि रूप र्ें हो "

(1) an arbitration clause in a contract only / केवल संतवदा में मध्यतथता खंड
(2) in the form of a separate agreement only / केवल पृथक करार के रूप में
(3) an arbitration clause in a contract or in the form of a separate agreement / संतवदा अथवा पृथक करार के रूप म ें मध्यतथ खंड
(4) commercial custom / वाक्षणब्ज्यक प्रथा

Ans. [3]

45. A decision by the arbitral tribunal that the contract is null and void shall / र्ाध्यस्थर् अधिकरण की ओर िे ननणय नक िंनिदा नगण्य और शून्य है, होगा

(1) Entail ipso jure the invalidity of the arbitration clause. / मध्यतथता खंड का तवयं तवमध की ओर से तवमध अमान्यता होना

(2) Not entail ipso jure the invalidity of the arbitration clause. / मध्यतथता खंड का तवयं तवमध की ओर से तवमध अमान्यता न होना
(3) Entail defac to invalidity of the arbitration clause. / मध्यतथता खंड का वततुतः तवमध अमान्यता होना
(4) None of the above / उपरि म ें से कोई नहीं

Ans. [2]

46. The arbitral tribunal shall not be bound by the / ध्र्यस्तिा अधिकरण को आबद् नहीं होना चानहए
(1) Code of Civil Procedure, 1908 or the Indian Evidence Act, 1872 / दीवानी प्रतक्रया संतहता, 1908 अथवा भारतीय साक्ष्य अमधतनयम, 1872 से
(2) The Indian Evidence Act, 1872. / भारतीय साक्ष्य अमधतनयम 1872 से
(3) Code of Civil Procedure, 1908. / दीवानी प्रतक्रया संतहता, 1908 से
(4) None of the above / उपरि म ें से कोई नहीं

Ans. [1]

Administration Law

82. Writ of Certiorari is issued against / उत्प्रेर्ण की ररट इकै निरूद् जारी होती है
(1) Lower courts or quasi-judicial bodies / तनचले न्यायालय अथवा अद्ा न्यातयक तनकाय
(2) Public Officials / सावजातनक पदधारी
(3) Wrongful confinement / सदोष पररोध
(4) Usurpation of public office / सावजातनक पद का अनामधकार ग्रहण

Ans. [1]

83. Audi Alteram Partem - means / Audi Alteram Partem – का आशय
(1) Bias / पक्षपात
(2) Hear the other side / दूसरे पक्ष को सुनना
(3) No one can be a judge in his own case / कोई भी अपने खुद के मामले म ें न्यायाधीश नहीं हो सकता
(4) None of the above / उपरि म ें से कोई नहीं

Ans. [2]

84. The Second Administrative Reforms Commission is constituted / नद्वतीय प्रशािननक ि ुार आयोग गदित नकया गया
(1) 31st August 2004 / 31 अगतत, 2004
(2) 31st August 2006 / 31 अगतत, 2006
(3) 31st August 2005 / 31 अगतत, 2005
(4) 31st August 2007 / 31 अगतत, 2007

Ans. [3]

Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules

39. Who has the authority to prescribed qualifications and disqualifications for membership of a Bar Council? / बार पररर्द की ि दस्यता के सलए योग्यता और अयोग्यता निनहत करने की प्राधिकाररता नकि है?
(1) State Bar Councils / राज्य बार पररषद
(2) Bar Council of India. / भारतीय बार पररषद
(3) Supreme Court of India / भारतीय सवोच्च न्यायालय
(4) Supreme Court Bar Association / सवोच्च न्यायालय बार एसोससएशन

Ans. [2]

40. Indian Council of Legal Aid and Advise v. BCI case deals with the issue of / निधिक ि हायता एिं ि लाह र्ारतीय पररर्द बनार् र्ारतीय बार पररर्द प्रकरण इि मुद्दे ि े ि म्बंधित है
(1) Prescribing pre-enrolment training for advocates / अमधविाओं के सलए पूव ानामांकन प्रसशक्षण तवतहत करना
(2) Prescribing minimum qualification for an advocate / अमधविा के सलए न्यूनतम योग्यता तवतहत करना
(3) Prescribing uniform attire for the advocates appearing in the court of law / तवमध न्यायालय म ें पेश होने वाले अमधविाओं के सलए एकीकृत वेशभूषा तवतहत करना
(4) Prescribing age bar on enrolment of advocates / अमधविाओं के नामांकन पर आयु वजना तवतहत करना

Ans. [4]

41. For transfer of roll from one state to another, an application is made to the / एक राज्य ि े दूिरे को नामार्ली अंतरण के सलए आर्ेदन पत्र नकया जाए"
(1) Bar Council of India / भारतीय बार पररषद
(2) State Bar council where one is enrolled / राज्य बार पररषद जहां कोई नामांतकत है
(3) State bar council where one seeks transfer / राज्य बार पररषद जहां कोई अंतरण चाहता
(4) High court of the state where one is enrolled / राज्य का उच्च न्यायालय जहां कोई नामांतकत है

Ans. [1]

42. Which of the following committee's cannot be constituted by State Bar Council / ननम्न र्ें ि े नकि धिर्नत को राज्य बार पररर्द की ओर ि े गदित नहीं नकया जा ि कता
(1) Special Committee / तवशेष सममतत
(2) Disciplinary Committee. / अनुशासन सममतत
(3) Legal Aid Committee / तवमधक सहायता सममतत
(4) Legal Education Committee / तवमधक सशक्षा सममतत

Ans. [4]

Family Law

72. A is the mother of B. She becomes a widow and re-marries. B dies. Can A succeed to him as mother? (Both are Hindus) / A, B की र्ाँ है। ि ह विधिा हो जाती है और पुनर्िर्ाह करती है। बी र् र जाता है. क्या A उिकी र्ाँ के रूप र् ें उत्तराधिकारी हो ि कती है? (दोनों पहिदू ह) ैं/
(1) No / नहीं
(2) Yes / हां
(3) Depends on their School / उनके मत पर तनभरा
(4) Only when B has no sons / केवल तब जब ख के पुत्र नहीं है

Ans. [2]

73. **Referring to Section 6 of Hindu Minority and Guardianship Act the Supreme Court observed that the words "after him "does not mean 'after the life time of the father'. Indeed, it means 'in the absence of. If the father is non-functional as guardian for various reasons like indifference, physical or mental incapacity, away from the place where the child lives with the mother, by mutual understanding, it may be treated as the 'absence' of the father. In which case? / पहदू अल्पिंख्यक और रिक्षकता अधिननयर् की ारा 6 का उल्लेख करते हुए ्रीर् कोटा ने कहा नक "उिके बाद" शब्द का अि ा'नपता के जीिन काल के बाद' नहीं है। ास्ति रें, इिका अि है 'अनुपल्स्नित र्। ें यदद नपता गैर है- उदीनीनता, शारीररक या रानसिक अक्षर्ता जिे निणर्न कारणों ि अणर्ीकि के रूप र् ेंकायात्ार्क, उिस्नि ि दूर जहां बच्चा रां के िि रहता है, आपिी िर्झ ि, इिे नपता की 'अनुपल्स्नित' के रूप र् ेंराना जा िकता है। नकि रार्ले रें?**

(1) Lily Thomas case / सलली थॉमस प्रकरण
(2) Sarla Mudgal case / सरला मुद्गल प्रकरण
(3) Githa Hariharan case / गीता हररहरण प्रकरण
(4) Goverdhan Lal case / गोवधना लाल प्रकरण

Ans. [3]

74. **By a recent amendment the daughter of a coparcener by birth becomes a coparcener in her own right in the same manner as the son Which Amendment? / हाल के एक िशोिन के द्वारा जन्र् ि हिदाधयक की बेटी अपने आप र् ेंपुत्र के िरान ही िहदाधयक बन जाती है कौन िा िशोिन?**

(1) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2004 / तहन्दू उिरामधकार (संशोधन) अमधतनयम, 2004
(2) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2005 / तहन्दू उिरामधकार (संशोधन) अमधतनयम, 2005
(3) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2006 / तहन्दू उिरामधकार (संशोधन) अमधतनयम, 2006
(4) The Hindu Succession (Amendment) Act, 2012 / तहन्दू उिरामधकार (संशोधन) अमधतनयम, 2012

Ans. [2]

75. **Shamim Ara v State of U.P. relates to / शरीर् आरा बनार् उत्तर प्रदेश राज्य िबंधित है**

(1) The condition precedent for a Muslim husband for rendering divorce is the pronouncement of divorce which has to be proved on evidence / मुब्तलम पतत के सलए तलाक देने के सलए पूव ा शताब्तथतत तलाक की
(2) घोषणा है जो साक्ष्य पर सातबत है
(3) Option of puberty / यौवनारंभ का तवकल्प
(4) Guardianship in Marriage / तववाह म ेंसंरक्षणत्व Dower / दहेज

Ans. [1]

Company Law

59. **Which of following is a ground recognized under the Companies Act for automatic adjournment of the General Meeting. / ननम्नसलखत र्ें ि कौन िा िाराान्य बिैक के स्ति: स्गिन के सलए कंपनी अधिननयर् के तहत रान्यता प्राप्त आिार है**

(1) Absence of Chairman of the meeting / सभा के अध्यक्ष की अनुपब्तथतत
(2) Quorum of the meeting is not present / सभा की गण संख्या की उपब्तथतत नहीं
(3) Meeting is held at a place different from what was prescribed in the notice / सूचना म ेंतवतहत से अलग तथान पर सभा आयोजजत होना
(4) Death of any of the directors prior to the meeting / सभा से पूव ातकसी तनदेशक का तनधन होना

Ans. [2]

60. **Which of the following meetings can be called by members / ननम्न र् ेंि नकि बिैक को िदस्यों की ओर ि बुलाया जा िकता है**

(1) Extra-ordinary General Meeting / असाधारण सामान्य बैठक
(2) Annual General Meeting / वार्षिक साधारण सभा
(3) Statutory meeting / वैधातनक सभा
(4) Special meeting / तवशेष सभा

Ans. [1]

61. **Which of the following powers can be exercised by the Board of Directors without holding a meeting / बिैक नकए नबना ननदेशकों की ओर ि ननम्न र्ें ि कौन िी शसियों का उपयोग नकया जा िकता है"**

(1) Power to issue debentures / ऋण पत्र जारी करने की शसि
(2) Power to invest funds of the company / कंपनी की तनमधयों का तनवेश करने की शसि
(3) Power to make loans / ऋण करने की शसि
(4) Power to appoint of additional director / अततररि तनदेशक तनयुि करने की शसि

Ans. [4]

62. **Which of following is not a ground for compulsory winding up of a company / कंपनी को अननिाया रूप ि बंद करने का ननम्न र्ें ि कौनिा आिार नहीं है**

(1) Oppression of minority / अल्पसंख्यकों का दमन
(2) Loss of substratum / आधार की क्षतत
(3) Non-holding of annual general meeting / वार्षिक साधारण सभा आयोजजत नहीं करना
(4) Losses to the company / कंपनी को नुकसान

Ans. [3]

Labour & Industrial Law

76. **The provision under the Industrial Disputes Act, 1947 which guarantees the right of workmen laid-off to claim for compensation / औद्योनगक वििाद**

अधिननयर्, 1947 के तहत ग्रिप्रान जो नौकरी ि ननकाले गए श्रधर्कों को सुिआेजे का दिा करने के अधिकार की गारंटी देता है

(1) S.25-C / धारा 25- ग
(2) S. 26 / धारा 26
(3) S.25-0 / धारा 25-ण
(4) S.25-A / धारा 25-45

Ans. [1]

77. The number of persons required to form trade union / श्र् िगिन गिन के सलए व्यसियों की िांसछत िंख्या "

(1) 6
(2) 7
(3) 8
(4) 9

Ans. [2]

78. The temporary closing of the work place or suspension of the work at work place by the employer is known as / कायस्िलि का अस्िाई बंद करना िाि कायस्िलि पर काय ाका ननलंबन ननयिा की ओर ि करना इि रूप र् ेंजाना जाता है

(1) Lay off / कामबंदी
(2) Lock out / तालाबंदी
(3) Retrenchment / छंटनी
(4) None of the above / उपरिी म ेंसे कोई नहीं

Ans. [2]

79. Which of the following acts has a direct relevance for grievance handling practices? /ननम्न अधिननयर्ों र् ें कौन िा परिरिदना िरािलने की िनत है? "

(1) The Industrial Disputes Act / औद्योतगक तववाद अमधतनयम
(2) Factories Act / फैक्री अमधतनयम
(3) The Industrial Employment (Standing Order) Act / औद्योतगक तनयोजन (तथायी आदेश) अमधतनयम
(4) all the above / उपरिी सभी

Ans. [4]

80. Section 10A of the Industrial disputes Act refers to / औद्योनगक तििाद अधिननयर् की िारा 10क िदर् ाकरती है

(1) Voluntary reference of disputes to arbitration / तववादों को मध्यतथता के सलए तवैच्छक संदभ ा
(2) Definition of Workman / श्रममकों की पररभाषा
(3) Definition of industry / उद्योग की पररभाषा
(4) Appeals / अपील ें

Ans. [1]

81. 'Wages' under Workmen's Compensation Act / श्रधर्क क्षनतपूर्त िअधिननयर् के अंतगता 'ितन'

(1) Includes any privilege or benefit which is capable of being estimated in money / तकसी उस तवशेषामधकार अथवा लाभ को सम्ममसलत करता है जो धन में आंकसलत रूप में समथ ाहै
(2) Does not include any privilege or benefit which is capable of being estimated in money / तकसी उस तवशेषामधकार अथवा लाभ को सम्ममसलत नहीं करता है जो धन म आंकसलत के रूप म ेंसमथ ाहै
(3) Includes any privilege or benefit which is not capable of being estimated in money / तकसी उस तवशेषामधकार अथवा लाभ को सम्ममसलत करता है जो धन में आंकसलत के रूप म ेंसमथ ानहीं है.
(4) None of the above / उपरिी म ेंसे कोई नहीं

Ans. [1]

Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law

85. The type of damages awarded in the law of torts / अपकृत्य निधि र् ेंक्षनतयों का प्रकार प्रदत्त है

(1) Liquidated Damages / पररतनधााररत नुकसानी
(2) Unliquidated damages / अपररतनधााररत नुकसानी
(3) Penal damages / दांमडक नुकसानी
(4) Exemplary damages / उदाहरणी नुकसानी

Ans. [2]

86. Ashby v White is an example of / एशबी बनार् व्हाइट इिका उदाहरण है

(1) Damnum sine injuria
(2) Uberremifide
(3) Injuria sine damnum
(4) Usufruct

Ans. [3]

87. The Supreme Court of India invoked the principle of absolute liability on an enterprise carrying on business with hazardous and inherently dangerous toxic chemicals in / ग्रिच्चि न्यायालय ने खतरनाक िा अंतर्ननिहत निरि रियन का ग्रिव्याय चलाने िाले उपिर् पर पूण ा दाधयत्ि के सिद्ांत का आह्वान ििर् नकया"

(1) Ganga Pollution case / गंगा प्रदूषण प्रकरण
(2) Fletcher case / फ्लेचर प्रकरण
(3) Sri Ram Fertilizers case / श्री राम फर्टलाइजस ाप्रकरण
(4) Prabhu dayal case /प्रभु दयाल प्रकरण

Ans. [3]

88. Res ipsa loquitor - means / स्ियं प्रर्ाण का िाि है

(1) Things speak for themselves /घटना तवयं बोलती है
(2) Tithes imperiled /दशमांश जोखम
(3) Vicarious liability / प्रतततनमधक दातयत्व
(4) Dangerous animals /खतरनाक जानवार

Ans. [1]

89. A motor cycle with engine capacity not exceeding 50cc may be driven in a public place by a person / 50 िीिी ि अधिक इंजन क्षर्ता िाली र्ोटर िाइनकल को नकिी व्यसि द्वारा िािाजननक स्िान पर चलाया जा िकता है

(1) after attaining the age of sixteen years /सोलह वष ा की आयु के बाद

(2) after attaining the age of eighteen years / अट्ठारह वष ाकी आयु के बाद
(3) after attaining the age of fifteen years /पन्द्रह वष ाकी आयु के बाद
(4) after attaining the age of twenty-one years / इक्कीस वषा की आयु के बाद

Ans. [1]

90. According to Consumer protection Act, the National Commission shall have jurisdiction over complaints where the value of the goods or services and compensation, if any, claimed exceeds rupees / उपरीा िरक्षण अधिननयर् के अनुिार, राष्ट्रीय आयोग के पाि उन सशकायतों पर अधिकार क्षेत्र होगा जहां िस्तुओं या िीिाओं का रूल्य और दािा नकया गया प्रनतकर, यदद कोई हो, रुपये ि अधिक हो।

(1) 2 lakhs / 2 लाख
(2) 10 lakhs / 10 लाख
(3) 20 lakhs / 20 लाख
(4) 50 lakhs / 50 लाख

Ans. [3]

Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act,

19. A promise or set of promises forming consideration to each other - is known as / चिन िाििा िचनों का िििि ा एक-दूिरे का प्रनतफल का गिन करता है-जो है "

(1) Proposal / प्रतताव
(2) Consideration / प्रततफल
(3) Agreement / करार
(4) Contract / संतवदा

Ans. [3]

20. A past consideration under Indian Law / रारतीय निधि के अिीन पूिा प्रनतफल है

(1) Invalid / तवमध अमान्द्य
(2) Valid / तवमध मान्द्य
(3) Void / शून्द्य
(4) Voidable / शून्द्य लायक

Ans. [2]

22. Consensus ad idem means / एक ही बात पर एक ही रिप रें हिर्त, िािात् "

(1) Good faith / सद् ्तवश्वास
(2) Opinion of third parties / तीसरे पक्षकारों की राय
(3) Opinion of the offeree / प्रतताव गृहीता की राय
(4) Meeting of the minds / मस्ततष्क ममलन

Ans. [4]

23. Agreement in restraint of marriage is / विवाह के अिरोि रें करार है

(1) Contingent contract / समाक्षश्रत संतवदा
(2) Wager / शत ा
(3) Void / शून्द्य
(4) Valid / तवमध मान्द्य

Ans. [3]

24. A tells B, the shopkeeper, "Give Z the Goods, I will see you paid" - this contract is / क ने कुानदार ख ि कहा- "य को राल दे, र् ैंआपको दूंगा", यह िंनिदा है

(1) Bailment / उपतनधान
(2) Agency / अक्षभकरण
(3) Guarantee / प्रत्याभूतत
(4) Indemnity / क्षतत की पूर्ति

Ans. [4]

25. A contract to perform the promise or discharge the liability of a third person in case of his default is a contract of - / नकिी तीिरे व्यसि के िचन को पूरा करने या उिके धडफ़ॉल्ट की स्स्थनत रें उिके दाधयत्ि का ननिहान करने का अनुबंध एक अनुबंध है

(1) Guarantee / प्रत्याभूतत
(2) Default / व्यततक्रम
(3) Indemnity / क्षततपूर्ति
(4) Partnership / भागीदारी

Ans. [1]

26. "He who does an act through another, does it himself" is a contract of / "जो कोई काय ादूिरे के राध्यर् ि करता है, िह स्ियं री करता है" का अनुबंध है

(1) Sale / तवक्रय
(2) Purchase / क्रय
(3) Agency / अक्षभकरण
(4) Partnership / भागीदारी

Ans. [3]

27. When at the desire of the promisor, the promise or any other person has done or abstained from doing something or does or abstains from doing something or promises to do or abstain from doing something, such act or abstinence or promise is called a / जब िचन करने िाले की इच्छा पर, िचनग्रनहता या कोई अन्य व्यसि कुछ नकया है या करने ि निरत रहा है या कुछ करता है या करने ि निरत रहता है या करने का िादा करता है या कुछ करने ि निरत रहता है, तो ऐिे काय ाया निरतता या िचन को कहा जाता है

(1) Proposal / प्रतताव
(2) Consideration / प्रततफल
(3) Acceptance / तवीकायता
(4) Agreement / करार

Ans. [2]

28. X owes Y Rs.20, 000 but this debt is barred by Limitation Act. X executes a written promise to pay B Rs.15, 000 on account of debt. This is / र् ने र् ि रूपए 20,000 उिार सलए ररं िह कज ापररीरा अधिननयर् ि बाधित िा। र् ने रूपए 15,000 का रुगतान कज ाके बदले र् ेंकरने का सलखत िचन ननरपाददत नकया। यह है ै

(1) Invalid / तवमध अमान्द्य

(2) Void / शून्य
(3) Valid / तवमध मान्य
(4) Voidable / शून्य योग्य

Ans. [3]

29. When a negotiable instrument is delivered conditionally or for a special purpose as a collateral security or for safe custody only, and not for the purpose of transferring absolutely property therein, it is called / जब कोई परिराम्य सलखत िशत ारूप ि या नकिी निशेर् उद्देश्य के सलए िपार्वर्कि ुरक्षा के रूप र् ंया किल ुरणिक्षत अणर्रक्षा के सलए नितररत नकया जाता है, न नक उिर्ें पूरी तरह ि िपसत्त हस्तांतररत करने के उद्देश्य ि, इिे कहा जाता है

(1) Fictitious Bill / कल्पत हंडी
(2) Inchoate instrument / असंपूणा तवलेख
(3) Escrow / तनलंब लेख
(4) Clean Bill / तनबन्द्ाध हंडी

Ans. [3]

30. Which one of the following is a promissory note when A signs the instrument? / ननम्न र् ंि ि कौनिा िचन पत्र है जब क ने निलेख पर हस्ताक्षर नकए है?

(1) I promise to pay B or order Rs. 10,000/- on demand / म ंख को रूपए 10,000 /- का भुगतान मांग पर करने का वचन करता ं
(2) Mr. B. I. Owe. You. Rs. 10,000/- / ख मनैं आपसे रूपए 10,000 /- उधार सलए
(3) I promise to pay B Rs. 10,000/- and such other sums which shall be due to him / म ंख को रूपए 10,000 /- भुगतान करने का वचन करता ं ंऔर ऐसी अन्द्य धन रासश का जो उसम ंशेष होगी
(4) I promise to pay B on his request Rs. 10,000/- on the death of X / म ंख को उसके आग्रह पर रूपए 10,000/- का भ के तनधन पर भुगतान करने का वचन करता ं।

Ans. [1]

31. Transfer of Property Act applies to transfers / पिसत्त अंतरण अधिनियर् अंतरण पर लागु होता है

(1) By partition in a joint family / संयुि पररवार म ंबंटवारे द्वारा
(2) Inter vivos / जीतवत व्यसियों के बीच
(3) Both between animate and inanimate objects / सजीव एवं असजीव दोनों वततुओं के बीच
(4) Between living and non-living persons / सजीव एवं तनजीव व्यसियों के बीच

Ans. [2]

32. A transfer's property of which he is the owner to B in trust for A and his intended wife successively for their lives, and, after the death of the survivor, for the eldest son of the intended marriage for life, and after his death for A's second son. The interest so created for the benefit of the eldest son / ए की पिसत्त, जजिका िह र्ासलक है, बी को ए और उिकी इल्च्छत पत्नी के ट्रस्ट र् ंि धर्क रूप ि उनके जीिन के सलए, और, उत्तरजीिी की र्ृत्यु के बाद, इल्च्छत नििाह ि उत्पन्न ि बिे बडे बेटे के सलए, और उिकी र्ृत्यु के बाद दूिरा बेटा को र्् स्नांतररत कर देता है। ज्येष्ठ पुत्र के लार् के सलए इि प्रकार उत्पन्न नकया गया

(1) Does not take effect / प्रभाव प्राप्त नहीं करता
(2) Takes effect / प्रभाव प्राप्त करता है
(3) Partially takes effect / आंसशक प्रभाव प्राप्त करता है
(4) None of the above / उपरोि म ंसे कोई नहीं

Ans. [1]

33. A transfer of an interest in specific immoveable property for the purpose of securing the payment of money advanced or to be advanced by way of loan, an existing or future debt, or the performance of an engagement which may give rise to a pecuniary liability - is called / अनग्रर् या ऋण के र्ाध्यर् ि ददए जाने िाले िन, र्ौजूदा या र्निर्य के ऋण, या नकिी िलग्न बाध्यता को िुरणक्षत करने के उद्देश्य ि निसशष्ट अचल पिसत्त र्ें नहत का अंतरण जो आर्र्िक दाधयत् को जन्र् दे िकता है – कहलाता है –

(1) Sale / क्रय
(2) Gift / उपहार
(3) Mortgage / बंधक
(4) Lease / पट्टा

Ans. [3]

34. A lease of immovable property from year to year, or for any term exceeding one year or reserving a yearly rent, can be made only by a / अचल िपसत्त का पट्टा िाल-दर-िाल, या एक िर्् ि अधिक नकिी र्ी अिधि के सलए या िार्र्िक नकराया आरणक्षत करके, किल एक व्यसि द्वारा ही नकया जा िकता है।

(1) Oral agreement / मौखक करार
(2) Written agreement / सलखत करार
(3) Partition / तवभाजन
(4) Registered instrument / पंजीकृत तवलेख

Ans. [4]

35. Specific performance of contract can be ordered, at discretion of Court / न्यायालय के ििेक पर अनुबंध के निसशष्ट ननरपादन का आदेश ददया जा िकता है

(1) When the act agreed to be done is such that compensation in money for non-performance will not give sufficient relief / जब तकया जाने वाला काय ऐसा हो तक उसके गैर-तनष्पादन के सलए धन का मुआवजा पयाप्त राहत नहीं देगा
(2) When the act agreed to be done is such that compensation in money for non-performance will give sufficient relief / जब कृत्य तकए जाने की सहमतत का ऐसा है तक गैर तनवाह के सलए धन म ंमुआवजा समुमचत राहत देगा
(3) Contract, performance of which involves a continuous duty, which Court cannot supervise /

संतवदा, जजसको तनवाहा म ेंसतत कतव्यासम्ममसलत जजसका न्यायालय पयवोक्षण नहीं कर सकता

(4) Specific performance of contract of personal nature cannot be ordered. / व्यसिगत प्रकृतत की संतवदा के तवसशष्ट तनवाहा का आदेश नहीं तकया जा सकता

Ans. [1]

36. Under Section 9 of Specific Relief Act, the person against whom the relief is claimed may plead by way of defense any ground which is available to him / तनिनर्दष्ट अनुतोर् अधिननयर् की िारा 9 के तहत, जजि व्यसि के निरुद् अनुतोर् का दिा नकया गया है िह बचाि के सलए नकिी आिार पर अणरि्चन कर िकता है जो उिके पि उपलब्ि है।

(1) Under law of trots / अपकृत्य कानून अधीन
(2) Under any law relating to contracts / संतवदा से संबंमधत तकसी कानून के अधीन
(3) Under IPC / भारतीय दंड संतहता के अधीन
(4) Under Cr.P.C. / दांमडक प्रतक्रया संतहता के अधीन

Ans. [2]

37. The following contract cannot be specifically enforced / ननम्नसलखत िंनिदा निशेर् रूप िे प्रितना नहीं हो िकती"

(1) A contract the performance of which involves the performance of a continuous duty which the court cannot supervise. / संतवदा जजसके तनवाहा में कतव्या का सतत तनवाहा सम्ममसलत, जजसका न्यायालय पयवोक्षण नहीं कर सकता
(2) A contract the performance of which involves the performance of a continuous duty which the court can supervise. / संतवदा जजसके तनवाहा म ेंकतव्या सतत तनवाहा सम्ममसलत, जजसका न्यायालय पयवोक्षण कर सकता
(3) A Tort the discharge of which involves the performance of a continuous obligation / एक अपकृत्य जजसके तनवहान म ें तनरंतर दातयत्व का प्रदशना शाममल होता है
(4) A contract for the non-performance of which compensation is not adequate relief / ऐसा अनुबंध जजसका पालन न करने पर मुआवजा पयाप्त राहत नहीं है

Ans. [1]

38. A sells a TV to a minor, who pays for it by means of a cheque. A indorses that cheque to X. X takes it in good faith and for value. This Cheque was dishonoured on presentation. X can enforce payment of the cheque / A एक नाबासलग को टीिी बेचता है, जो इिका रुगतान चेक के राध्यर् िे करता है। ए चेक एक्ि को पृष्ठांनकत करता है । एक्ि इिे अच्छे निश्वाि और रूल्य के आिार पर लेता है। प्रस्तुत करने पर यह चेक अनादररत हो गया। एक्ि चेक का रुगतान लागू कर िकता है

(1) Against Minor / नाबासलग के तवरूद्
(2) Against Minor and A / ए और नाबासलग के तवरूद्
(3) Against A only / केवल ए के तवरूद्
(4) Cannot enforce against any body / तकसी के तवरूद् प्रवतना नहीं कर सकता

Ans. [3]

Limitation Act, 1963

56. Appeal against a decree or order can be filed in a High Court within / आज्ञम्प्त यिा आदेश के निरूद् अपील उच्च न्यायालय र् ेंनकतने ददनों के अन्दर दाखल की जा िकती है

(1) 60 days / 60 ददन
(2) 30 days / 30 ददन
(3) 90 days / 90 ददन
(4) 91 days / 91 ददन

Ans. [3]

57. Where, before the expiration of the prescribed period for a suit or application in respect of any property or right, an acknowledgement of liability in respect of such property or right has been made in writing signed by the party against whom such property or right is claimed, or by any person through whom he derives his title or liability, / जहां, नकिी िंपसत्त या अधिकार के िंबंि र् ेंनकिी िाद या आिेदन के सलए निनारारत अिधि की िर ाम्प्त िे पहले, एिी िंपसत्त या अधिकार के िंबंि र् ें दाधयत् की स्वीकृनत उि पक्ष द्वारा हस्ताक्षररत सलखत रूप र् ेंकी गई है जजिके खखलाफ एिी िंपसत्त या अधिकार का दािा नकया गया है, या नकिी व्यसि द्वारा जजिके राध्यर् िे िह अपना शीर्षक या दाधयत्व प्राप्त करता है,

(1) a fresh period of limitation shall be computed from the time when the acknowledgement was so signed. / पररसीमा की एक नई अवमध की गणना उस समय से की जाएगी जब पावती पर हतताक्षर तकए गए थे।
(2) limitation shall be computed from the time when originally the signature has been given / सीमा की गणना उस समय से की जाएगी जब मूल रूप से हतताक्षर ददए गए हों
(3) a fresh period of limitation shall not be computed from the time when the acknowledgement was so signed. / पररसीमा की नई अवमध की गणना उस समय से नहीं की जाएगी जब पावती पर हतताक्षर तकए गए थे।
(4) None of the above

Ans. [1]

58. The periodoflimitationfor an action by a principal against hisagentformovable property received by the latterandnotaccounted for is / नकिी प्रधानसिपल द्वारा अपने एजेंटकेनिरुद्प्राप्त चल िंपसत्त और जजिका नहिाब नहीं ददया गयाहै,केसलएकारिाई के सलए िीरा अिधि है

(1) 12 years/12वषा
(2) 3 years/3वषा
(3) 5 years/5वषा
(4) No limitation/कोईपररसीमा नहीं

Ans. [2]

Sales of Good

21. Caveat emptor means / तेि िििाान रहे िेिाा "

(1) Purchaser beware / क्रेता सतका रहे
(2) Seller beware / तवक्रेता सतका रहे
(3) Things outside commerce / वाक्षणज्य से बाहरी वततुएं
(4) A warning letter / चेतावनी पत्र

Ans. [1]

Jurisprudence

69. Etymologically what is meant by Jurisprudence? / व्युत्पनत का निधि शास्त्र ि क्या अर्णप्रेत है ""

(1) Knowledge of law / तवमध का ज्ञान
(2) Science of law / तवमध का तवज्ञान
(3) Science of origin / उद्भव का तवज्ञान
(4) Knowledge of origin / उद्भव का ज्ञान

Ans. [1]

70. What is meant by the term 'General Law"? /िाि्न्य निधि शब्दािली का क्या िि ाहै?

(1) It consists of general ordinary law of the land. / यह भूमम के सामान्य्र साधारण तवमध का संयोजन है
(2) It consists of those legal rules which are taken judicial notice of by the court / यह उन तवमधक तनयमों का संयोजन है जजनका न्यायालय की ओर से न्यातयि ध्यान तकया जाता है
(3) It consists of those bodies and legal rules which are exceptional in nature. / यह तनकायों तथा तवमधक तनयमों दोनों का संयोजन है जो तवरूप म ेंअपवाद है

(4) (1) and (2) / (1) एवं (2) दोनों

Ans. [4]

71. According to the theory of 'social utilitarianism' as propounded by Inhering: / िाि्जजक उपयोनगतािाद' के अनुिार जिेि नक आइहेररगि ने प्रनतपाददत नकया है: "

(1) greatest number of people should get greatest pleasure / अमधकामधक लोगों को अमधकामधक आनंददत होना चातहए
(2) the essential body of legal rules is always based upon the social "facts" of law / तवमधक तनयमों का अत्यावश्यक तनकाय हमेशा तवमध के सामाजजक "तथ्यों" पर आधाररत है
(3) a balance is to be struck between the competing interests in society / समाज म ेंप्रततततपद्ी तहतों के बीच संतुलन तकया जाए
(4) law is a means to social ends / तवमध का अथ ासामाजजक उद्देश्य है

Ans. [4]